HIN3B14a_cours-10-2013-04-11 (CC-3)

हिन्दू हो या मुस्लिम, या फिर सिख, ईसाई, सभी घर्मों में (1) को प्राथमिकता दी गयी है। (2) के (3) पर ही (4) अपने असली (5) को (6) कर सकता है। और यह ज़रूरी नहीं कि यह ज्ञान किसी भी (7) विशेष रूप से (8) हुआ हो। शहर के एक मुस्लिम (9) ने अपनी (10) वर्षीय बच्ची को आर्य समाज से जुड़े विद्यालय में पढ़ने (11) रक्खा है। सुमेरा बानो नाम की यह (12) महर्षि दयानन्द विद्यालय की (13) कक्षा की छात्रा है। सुमेरा बानो को (14) ज्ञान के साथ वेद मन्त्रों, प्रार्थना और हवन-यज्ञ की पूरी (15) की (16) है। सुमेरा बानो ने खुशी (17) करते हुए कहा कि मुस्लिम (18) से जुड़ी होने के बावजूद (19) हिन्दू (20) से (21) होना उसके लिए आनन्ददायक है।

मैं यहाँ पे (पर) अच्छी शिक्षा ग्रहण करती हूँ, सारी..., सभी तरह की (22) भी हैं यहाँ, और बहुत-सी चीजें भी सिखायी जाती हैं।

सुमेरा बानो प्रतिदिन हवन-यज्ञ कर ईश्वर को (23) देती है। बानो को चारों वेदों में ईश्वर स्तुति के विशेष आठों (24) याद हैं।

मुझे हवन की प्रक्रिया याद है और आठों वेद मन्त्र और गायत्री मन्त्र, आर्यसमाज के नियम, ये सभी याद हैं।

सुमेरा बानो के इस (25) ने उदयपुर शहर के हिन्दू-मुस्लिम के बीच (26) (27) को एक बार फिर से (28) किया है। बानो हिन्दू संस्कृति के ज्ञान के साथ (29) में (30) भी लेती है। सुमेरा बानो की माँ ने बताया कि हमारे (31) में कभी भी यह नहीं सोचा गया कि ये हिन्दू घर्म के मन्त्र हैं।

मुझे उससे मतलब कोई टेंसन नहीं है, हिन्दू के मन्तर पढ़ रही है, मतलब आर्य समाज के नियम याद कर रही है, इससे कोई टेंसन ... मतलब संस्कार हैं न, सब पढ़ना ज़रूरी है आज के ज़माने में।

सुमेरा बानो अपनी यह (32) आर्य समाज की ओर से (33) महर्षि दयानन्द कन्या विद्यालय में प्राप्त कर रही है। विद्यालय के उपमन्त्री ने बताया कि वेदों में किसी विशेष धर्म के बारे में नहीं बताया गया है। वेदों का (34) तो मानव-कल्याण के लिए हुआ है। और यह बारह वर्षीय बालिका हिन्दू-घर्म ज्ञान में (35) है।

हमारे इस स्कूल में एक बच्ची है, सुमेरा बानो, जो हमारे बहुत सारे वेद-मन्त्र, सब तो याद किसी को भी नहीं हैं, पर (36) उसको (37) के, ईश्वर स्तुति, प्रार्थना, उपासना आदि के मन्त्र उसको ज्यादातर याद हैं।

बालिका के इस ज्ञान से सभी (38) हैं। सुमेरा बानो को एक (39) पंडित की तरह सभी (40) और मन्त्र याद हैं।